श्याम नज़र आया | By Aparna Mishra

नीर भरण मैं जाय रही बैठो कदम्ब की छोर
देख देख मुस्काये रयो वो छलिया माखन चोर
श्यामा.....स्याम

वृन्दावन की कुञ्ज गलिन में ग्वाला एक मन भाया सखी.....
श्याम नज़र आया म्हाने श्याम नज़र आया

टेढ़ी झांकी टेढ़ी चितवन
रूप सलोनो ऐसो मोह लियो मन
एक टक आँखें उसको निहारें
जादू ऐसो कर गयो मोहन
मुरली ऐसी मधुर बजावे
ऐसा मन को लुभाया सखी.....
श्याम नज़र आया म्हाने श्याम नज़र आया

मोर मुकुट सुन्दर आभूषण
लट घुंघराली नीला बर्तन
टेढ़ी मेढ़ी चाल मनमोहन
न्योछावर कर दयूं तन मन धन
गोपिन के संग रास रचावे
सुध बुध सब बिसराया सखी.....
श्याम नज़र आया म्हाने श्याम नज़र आया

धन्य वृन्दावन धन्य ये कुंजन
श्याम सुन्दर के मिल गए दर्शन
अनूप कृपा का करू मैं वर्णन
झुमु नाचू बन कर जोगन
जनम जनम के कष्ट मिटाये
चरणन दास बनाया सखी.....
श्याम नज़र आया म्हाने श्याम नज़र आया
वृध्नवान की कुञ्ज गलिन में .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%a8%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%b0-%e0%a4%86%e0%a4%af%e0%a4%be-by-aparna-mishra/